

परिकर्मा पुं. (तत्.) सेवक, अनुचर, परिचायक दे. परिक्रमा।

परिकर्ष पुं. (तत्.) 1. वृत्त, वलय 2. बाहर निकालना, बाहर खींचना।

परिकर्षित वि. (तत्.) 1. उत्पीडित, पीडित 2. बाहर की ओर खींचा हुआ, बाहर निकाला हुआ 3. जुता हुआ (खेत)।

परिकलित वि. (तत्.) 1. आकलित, अनुमानित 2. भूषित, अलंकृत।

परिकल्पन पुं. (तत्.) 1. चिंतन, मनन 2. बनावट, रचना 3. विभाजन।

परिकल्पना स्त्री. (तत्.) 1. मनन, चिंतन, मन में गढ़ना 2. बनावट, रचना 3. बंटन, बाँटना 4. निश्चय करना, निश्चयन, निर्णय 5. जिसकी संभावना हो उसे पहले से ही मान लेना, उसकी कल्पना कर लेना 6. तर्क के लिए कोई बात मान लेना 7. किसी विशिष्ट आधार पर कोई बात ठीक या सही मान लेना 8. गणित में किसी विशिष्ट मान या राशि की कल्पना कर लेना।

परिकल्पित वि. (तत्.) 1. कल्पना किया हुआ, सोचा हुआ, कल्पनानुसार बना हुआ 2. मन में गढ़ लिया गया, मनगढ़ंत 3. निश्चित, ठहराया हुआ 4. रचित, मन में सोचकर बनाया हुआ 5. विभक्त, बाँटा या बँटा हुआ।

परिकांक्षित पुं. (तत्.) भक्त, तपस्वी।

परिकीर्ण वि. (तत्.) 1. व्याप्त, फैला हुआ, विस्तृत, छितरा हुआ 2. समर्पित 3. परिवेष्टित।

परिकीर्तन पुं. (तत्.) 1. उच्च स्वर में किया गया कीर्तन, गायन 2. गुणों का विस्तृत वर्णन, अत्यधिक प्रशंसा 3. घोषित करना, घोषणा करना।

परिकीर्तित वि. (तत्.) जिसका परिकीर्तन किया गया हो।

परिकूट पुं. (तत्.) 1. नगर-द्वार पर बनी खाई 2. एक नाग।

परिकूल पुं. (तत्.) तटवर्ती भूमि, किनारे की भूमि।

परिकृश वि. (तत्.) अत्यंत कृश या क्षीण, अत्यंत दुबला, पतला।

परिकोप पुं. (तत्.) अत्यंत क्रोध, कोप।

परिक्रम पुं. (तत्.) 1. टहलना, घूमना, चारों ओर घूमना 2. परिक्रमा करना 3. क्रम, श्रेणी 4. प्रवेश।

परिक्रमण पुं. (तत्.) 1. टहलना, घूमना, फेरी देना।

परिक्रमा स्त्री. (तत्.) 1. चारों ओर घूमना, चक्कर लगाना, प्रदक्षिणा, फेरी लगाना **यथा-** सैकड़ों लोग गिरिराज की परिक्रमा हर रोज लगाते हैं 2. भक्ति भाव या श्रद्धा भाव से किसी तीर्थ स्थल या देवी-देवता की परिक्रमा करना, उसके चारों ओर घूमना **यथा-** मंदिर की परिक्रमा लगाने की पुरानी परम्परा आज भी पूर्ववत् जीवित है 3. इस प्रकार का चक्कर लगाने के लिए नियत किया गया या बना हुआ मार्ग।

परिक्रमित वि. (तत्.) परिक्रमा की हुई, जिसकी परिक्रमा की गई हो।

परिक्रांत वि. (तत्.) 1. जिसकी परिक्रमा की गई हो, जिसके चारों ओर चक्कर लगाया गया हो या लगाया जा सके 2. कदम, डग 3. जिस पर गमन किया गया हो।

परिक्रिया स्त्री. (तत्.) 1. खाई आदि से घेरने की क्रिया 2. स्वर्ग की कामना से किया गया एक यज्ञ, एकाह यज्ञ 3. घेरना, आवेष्टित करना 4. मनोयोग, ध्यान 5. दे. परिकर 6. आनन्द आदि के निमित्त की जाने वाली क्रिया, किया जाने वाला आयोजन।

परिकलांत वि. (तत्.) 1. थककर चूर हो जाने वाला 2. अत्यधिक श्रान्त।